প্রতিধ্বনি the Echo
An Online Journal of Humanities & Social Science
Published by: Dept. of Bengali
Karimganj College, Karimganj, Assam, India
Website: www.thecho.in

Dr Madhuchanda Chakrabarty (Purkayastha)
Bangalore
Email: - Madhuchanda.chakrabarty@gmail.com

चाह कर भी

चाह कर भी
कह नहीं पाते है दिल की बात
हो जाते है गुमसुम
दर्द भरे, अजनबी हालात

अनजाने वो हो जाते हैं
जो हैं बरसों जान-पहचाने
क्यों करते है ऐसा
बोलो हम क्या जाने

रिश्तें टूट चुके है पर
अभी भी हैं निभाते हुए
अपने थे कभी यें
पर अब पराए हुए

दोनों की मंजिल नहीं है एक
तो चलना क्यों साथ-साथ
हमराही की गुंजाइश कहाँ है
अब तो तन्हा है हालात।

तेरे साथ

तेरे साथ चलती रही है मेरी यादें हर कही
अब साथी मेरे अलग रास्ते की गुँजाईश ही नहीं

ISSN 2278-5264

प्यार करके छोड़ दे तुम्हें तन्हा
ऐसा हो सकता नहीं
मिलो तुम चाहे न मिलो
मेरी ऐसी कोई ख़्वाहिश भी नहीं

प्यार करने में अगर देरी की हमने
तो क्या हुआ?
लो अब कह देते है तुम्हें
सुन लो जरा

चलेगी ज़िन्दगी हमारी यू ही
तुम्हें याद करते-करते ही
प्यार मिले, मिले ना सही
तुमसे रिश्ता तोड़ेंगे नहीं।